केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं व 12वां कीा परीक्षा का कार्यक्रम घोषित

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी। पहले दिन दोनों कक्षाओं के परीक्षार्थियों के लिए वोकेशनल विषय की परीक्षाएं होंगी।

सीबीएसई द्वारा जारी परीक्षा कार्यक्रम के तहत दोनों कक्षाओं के बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए सुबह 10:30 से 1: 30 बजे तक परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। हालांकि, इससे पूर्व 10 बजे से 10:15 के बीच उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण किया जाएगा जबकि 10: 15 से 10:30 बजे के बीच प्रश्नपत्र वितरिक किए जाएंगे। परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में दस बजे से पहले पहुंचना होगा।

10वीं कक्षा की परीक्षाएं 20 मार्च तक आयोजित होंगी। 26 फरवरी को अंग्रेजी, 29 फरवरी को हिंदी, 4 मार्च को विज्ञान, 7 मार्च को संस्कृत, 12 मार्च को गणित, 18 मार्च को समाजिक विज्ञान और 20 मार्च इंफोर्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर एप्लीकेश्न विषय की परीक्षा होगी।

परीक्षा कार्यक्रम के तहत 30 मार्च को 12वीं के छात्रों की अंतिम परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विषयों में 22 फरवरी से मनोविज्ञान, 27 फरवरी को अंग्रेजी, 2 मार्च को भौतिक विज्ञान, 3 मार्च को इतिहास, 5 मार्च को अकाउंटेंसी, 6 मार्च को राजनीतिक विज्ञान, 7 मार्च को रसायन विज्ञान,14 मार्च को जीव विज्ञान, 17 मार्च को गणित, 20 मार्च को हिंदी और 23 मार्च को भूगोल, 30 मार्च को समाजशास्त्र की परीक्षा होगी।

परीक्षा में यूनिफार्म अनिवार्य

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षा में अब बिना यूनीफॉर्म छात्रों को एंट्री नहीं मिलेगी। परीक्षा के लिए केन्द्र पर छात्रों को स्कूल यूनीफॉर्म में ही आना होगा। बोर्ड ने इस बार नियमों को कड़ा कर दिया है। स्पष्ट किया है कि देरी से केन्द्र पर आने वाले छात्रों को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बता दें कि स्कूल और कोचिंग मिलकर बड़ा खेल करते हैं। कोचिंग में पढ़ने वाले छात्रों के स्कूल परीक्षा फॉर्म भरवाते हैं। इसके बाद वह परीक्षा में शामिल होते हैं। इसी पर डंडा चलाने के लिए सीबीएसई ने नियमों को सख्त करना शुरू कर दिया है। पिछले साल बोर्ड ने परीक्षर्थियों को यूनीफॉर्म में आने के निर्देश दिए थे। हालांकि उस समय यूनीफॉर्म से जुड़े नियम को अनिवार्य नहीं किया था, लेकिन अब सीबीएसई ने यूनीफॉर्म से जुड़े नियमों को कड़ा कर दिया है।

नियम के तहत परीक्षार्थियों को अपने स्कूल की यूनीफॉर्म में ही परीक्षा देने आना है। प्रवेश पत्र साथ होने के बावजूद अगर परीक्षार्थी स्कूल यूनीफॉर्म पहनकर परीक्षा केंद्र पर नहीं आएंगे तो उन्हें परीक्षा नहीं देने दी जाएगी। परीक्षार्थियों के स्मार्ट अथवा डिजिटल घड़ी पहनने पर भी रोक लगाई गई है।